

(b) if so, Government's reaction thereto?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Ocharan Shukla): (a) The Chief Minister, West Bengal has in a recent letter given his assessment of the law and order situation in the Assansol and Raniganj areas.

(b) The Central Government are in close touch with the State Government regarding this matter. The State Government have assured that all possible steps are being taken to see that peace is maintained in the coal-field areas so that normal working is not hampered.

Revival of Inter-University Youth Festival

**8557. Shri M. Meghachandra:
Shri Dhireswar Kalita:**

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether Government are contemplating to revive the Inter-University Youth Festival from the current year; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of State in the Ministry of Education (Shri Sher Singh):

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

राजस्थान में अनुसूचित आदिम जातियां तथा आदिवासी

8558. श्री बलदेव्वर मीना :

श्री हीरजी भाई :

श्री भालजी भाई परमार :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संविधान की पांचवीं अनुसूची के अनुसार राज्यपाल अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में वार्षिक प्रतिवेदन राष्ट्रपति को भेजते हैं;

(ख) क्या राजस्थान के राज्यपाल ने गत तीन वर्षों के अपने प्रतिवेदनों में राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में अकाल की गम्भीर स्थिति का कोई उल्लेख किया था;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या उनमें उन कठिनाइयों का भी कोई उल्लेख किया गया है, जो अनुसूचित आदिम जातियों के लोगों को इन "कैम्प राइफलों" को लेने में हाता है, जिनके लिये उन्होंने अपने रजिस्टर करा रखे हैं;

(ङ) क्या यह सच है कि पांचवीं अनुसूची के अनुसार राज्यपाल अनुसूचित क्षेत्रों के उत्तम प्रशासन के लिये इन कठिनाइयों को दूर करने के हेतु नियम तथा विनियम बनाने के लिये सक्षम हैं; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बिद्या चरण शुक्ल) : (क) जी हाँ, श्रीमान्।

(ख) से (च). राजस्थान में अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में राज्यपाल का 1966-67 के लिये प्रतिवेदन अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। 1964-65 तथा 1965-66 के प्रतिवेदन प्राप्त हो चुके हैं। अनुसूचित क्षेत्रों में कोई अकाल की गंभीर स्थिति यदि रही तो इन प्रतिवेदनों में उसका कोई उल्लेख नहीं है, न ही इनमें अनुसूचित आदिम जातियों द्वारा टॉर्पादार बंदकों के पजीकृत किये जाने में आने वाली कठिनाइयों का कोई उल्लेख है। फिर भी इन संबंधों तथा भाग (ङ) और (च) में पूछे गये प्रश्नों के बारे में सूचना प्राप्त की जायेगी और यथाशीघ्र सदन के सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

Rate of Daily Allowances to M.P.s.

**8559. Shri Nitiraj Singh Chaudhary:
Shri G. S. Mishra:
Shri N. K. P. Salve:
Shri Nathu Ram Ahlwar:**

Will the Minister of **Parliamentary Affairs** be pleased to state:

(a) when the Daily Allowances now paid to Members of Parliament were fixed;